भारतीय चिकित्सा परिषद
उत्तराखण्ड

CITIZEN CHARTER
नागरिक घोषणा

---

vtcij dyk] ekFkjkokyk jkM] ngjknu& 248001

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड का गठन

आयुर्वेद पुरातन काल से ही भारत व विश्व में चिकित्सा के लिए विख्यात रहा है तथा आयुर्वेदीय चिकित्सा ही भारत की मूल चिकित्सा प्रणाली रही है। पर्वतीय भौगौलिक परिस्थितियों के कारण आयुर्वेद में प्रयोग होने वाली औषधियों की सहज उपलब्धता होने से आयुर्वेदीय चिकित्सा प्रणाली का प्रयोग उत्तराखण्ड राज्य में वृह्द रूप से परम्परागत वैद्यों द्वारा किया जाता रहा है। आधुनिक युग में आयुर्वेद की महत्ता के दृष्टिगत प्रदेश में व प्रदेश के बाहर आयुर्वेदीय चिकित्सा में चिकित्सक (आयुर्वेदाचार्य) व अनुचिकित्सक शिक्षित हो रहे हैं व आयुर्वेद पद्धति में चिकित्सा कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में चिकित्साभ्याास कर रहे चिकित्सकों को केन्द्रीय भारतीय चिकित्सा परिषद, नई दिल्ली अधिनियम 1970 में निहित प्रावधानों के अनुरूप सूचीबद्ध करना भी परिषद के अधिकार क्षेत्र में आता है तथा उक्त चिकित्सकों के साथ अनुचिकित्सकीय कार्य हेतु प्रशिक्षित स्टाफ की आवश्यकता पड़ती है। उक्त आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उत्तराखण्ड शासन के चिकित्सा अनुभाग–1 की अधिसूचना/प्रकीर्ण संख्या 1564/XXVIII(1)-2004-27/2003 दिनांक 19 अक्टूबर 2004 द्वारा भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड का गठन किया गया तथा उत्तराखण्ड शासन के चिकित्सा अनुभाग–1 की अधिसूचना/प्रकीर्ण संख्या 1669/चि–1–2002–64/ 2002 दिनांक 07 नवम्बर 2002 द्वारा उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 87 के अधीन भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तर प्रदेश में प्रचलित संयुक्त प्रान्त (आयुर्वेदिक तथा यूनानी तिब्बी चिकित्सा पद्धति) अधिनिमय 1939 को अनुकूलन एवं उपान्तरण कर लागू किया गया।

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड एक स्वायतशासी संस्था है। जो वर्तमान में अपने संसाधनों से ही संचालित है। भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड आयुर्वेद, यूनानी, तिब्बी एवं सिद्ध पद्धति के क्षेत्र में कार्य करते हुए उत्तराखण्ड शासन एवं भारत सरकार द्वारा समय–समय पर प्राप्त निर्देशों के अनुरूप में कार्य कर रही है।

–0–

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड के उद्देश्य

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराख्ाण्ड आयुर्वेदिक, यूनानी, तिब्बी एवं सिद्धा पद्धतियों के प्रचार–प्रसार के साथ भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों के विकास के लिए भी कटिबद्ध है। भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड राज्य की परिधि में आयुर्वेदिक, यूनानी, तिब्बी एवं सिद्ध पद्धतियों से चिकित्सा व्यवसाय तथा भारतीय चिकित्सा शिक्षा (आयुष) का कार्य कर रहे चिकित्सकों तथा उनके सहायकों (यथा भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग), पंचकर्म सहायक) का पंजीकरण व आयुष/भारतीय चिकित्सा शिक्षा, आयुर्वेद डिप्लोमा पाठय्क्रमों का संचालन भी करती है जिससे कि आयुर्वेद के प्रचार प्रसार में सहायता एवं नवयुवकों को आयुर्वेद के माध्यम से रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की जानकारी मिलती है। साथ ही साथ जनसामान्य को भारतीय चिकित्सा पद्धतियों की मौलिकता एवं उपादेयता की भी जानकारी होती है।

–0–

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड में अंगिकृत अधिनियम

1. उत्तराखण्ड (संयुक्त प्रान्त भारतीय चिकित्सा अधिनियम, 1939) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002।
2. भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, नई दिल्ली अधिनियम 2020 (पूर्व में भारतीय केन्द्रीय चिकित्सा परिषद, नई दिल्ली, अधिनियम 1970)

–0–

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड का बोर्ड गठन

चिकित्सा अनुभाग–1 के शासनादेश सं0 960/XXVIII(1)/2008–27/2003 दिनांक 20.08.2008 द्वारा भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड के संचालन हेतु उत्तराखण्ड (संयुक्त प्रान्त भारतीय चिकित्सा अधिनियम 1939) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 (अधिनियम सं0 10 वर्ष 1939) की धारा 8 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) में दिए गए निम्नलिखित पदों को अधिसूचित किया गया है–

(1) एक अध्यक्ष जो राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित किया जायेगा।

(2) पांच सदस्य जो राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित किये जायेंगे।

(3) उत्तराखण्ड में विधि द्वारा स्थापित ऐसे प्रत्येक विश्वविद्यालय, जिसमें आयुर्वेदिक या यूनानी, तिब्बी चिकित्सा पद्धति से सम्बन्धित संकाय हो, से एक–एक सदस्य जिन्हें विहित रीति के ऐसे संकाय द्वारा निर्वाचित किया जायेगा।

(4) उत्तराखण्ड की आयुर्वेदिक शिक्षा संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले दो सदस्य जो विहित रीति से, ऐसी संस्थाओं के, जो उत्तराखण्ड में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हों, अध्यापकों द्वारा निर्वाचित किये जायेंगे।

(5) अपसारित।

(6) कुल सदस्य 4(3 वैद्य तथा 1 हकीम) जो विहित रीति से उत्तराखण्ड राज्य के रजिस्ट्रीकृत क्रमशः वैद्यों तथा हकीमों द्वारा निर्वाचित किये जायेंगे।

–0–

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड के मुख्य कार्य

1. उत्तराखण्ड राज्य की परिधि में चिकित्साभ्यास कर रहे बी0ए0एम0एस0 (आयुर्वेदिक) एवं बी0यू0एम0एस (यूनानी)/सिद्ध/तिब्बी चिकित्सा पद्धतियों के चिकित्सकों तथा परिषद द्वारा संचालित पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का पंजीकरण करना।

2. अनुचिकित्सकीय पाठ्यक्रमों का संचालनः— वर्तमान परिषद द्वारा अनुचिकित्सकीय पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का प्रवेश, नामांकन, लिखित एवं प्रयोगात्मक परीक्षा, मूल्यांकन, परीक्षा परिणाम, डिप्लोमा व पंजीकरण सम्बन्धी कार्य सम्पादित करना।

संयुक्त प्रान्त (आयुर्वेदिक तथा यूनानी तिब्बी चिकित्सा पद्धति) अधिनियम 1939 की धारा—36 में वर्णित बोर्ड के कार्यः

(1) राज्य सरकार को आयुर्वेदिक तथा यूनानी तिब्बी चिकित्सा पद्धति से सम्बन्धित विषयों के बारे में, जिनके अन्तर्गत शोध और स्नातकोत्तर शिक्षा भी है, सलाह देना।

(2) अनुचिकित्सकीय पाठ्य—क्रम में शिक्षण देने वाले प्रशिक्षण केन्द्रों को संकाय की सिफारिश पर मान्यता प्रदान करना, उनकी मान्यता निलम्बित करना या वापस लेना।

(3) संकाय द्वारा संचालित परीक्षाओं के परिणाम प्रकाशित करना।

(4) बोर्ड की परीक्षाओं में सफल हुए अभ्यर्थियों को डिप्लोमा या प्रमाण—पत्र प्रदान करना।

(5) बोर्ड की परीक्षाओं में प्रवेश के लिये विनियमों में निर्धारित फीस उद्ग्रहीत करना।

(6) संकाय को उसके कर्त्तव्यों के सम्पादन के लिये पर्याप्त धनराशि आवंटित करना।

(7) आयुर्वेदिक तथा यूनानी चिकित्सा पद्धति और शल्यकर्म के विकास के लिये ऐसे अन्य कृत्य करना जो इस अधिनियम के उपबन्धों से संगत हो।

(8) ऐसे अन्य शक्तियों का प्रयोग करना जो इस अधिनियम द्वारा या उसके अधीन विनिर्दिष्ट की जायें।

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड हेतु स्वीकृत पद

शासनादेश संख्या 705/XXXX/2018-27/2003 टी.सी. दिनांक 05.06.2018 एवं शासनादेश संख्या 1466/XXXX/2018-27/2003 टी.सी. दिनांक 29.08.2018 द्वारा भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड के संचालन हेतु स्वीकृत पदों का विवरणः

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद
1	रजिस्ट्रार	1
2	सहायक रजिस्ट्रार कम प्रशासनिक अधिकारी	1
3	लेखा संवर्ग	1
4	लिपिक संवर्ग	8
5	चतुर्थ श्रेणी	4

—0—

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड में पंजीकृतों की संख्या

क्र0सं0	पाठ्यक्रम	पंजीकरणों की संख्या
1	आयुर्वेदिक चिकित्सक (बी.ए.एम.एस.)	3695
2	यूनानी चिकित्सक (बी.यू.एम.एस.)	143
3	आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट)	3498
4	यूनानी भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट)	50
5	आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग)	391
6	पंचकर्म सहायक / टैक्नीशियन	1534
7	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक	152
8	पंचकर्म अटैण्डेन्ट	39

(दिनांक 20.08.2022 तक)

—0—

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में

प्रवेश व परीक्षा सम्बन्धी विवरण

क्र.सं.	विवरण	आयुर्वेदिक / यूनानी भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट)	आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग)	पंचकर्म सहायक	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक
1	प्रवेश प्रक्रिया	काउंसलिंग द्वारा कक्षा 12 की मैरिट के अनुसार	काउंसलिंग द्वारा कक्षा 12 की मैरिट के अनुसार	काउंसलिंग द्वारा कक्षा 12 की मैरिट के अनुसार	काउंसलिंग द्वारा कक्षा 12 की मैरिट के अनुसार
2	नामांकन	सभी प्रवेशित अभ्यर्थी	सभी प्रवेशित अभ्यर्थी	सभी प्रवेशित अभ्यर्थी	सभी प्रवेशित अभ्यर्थी
3	परीक्षा एवं परीक्षा परिणाम	वार्षिक (दो वर्षों मे)	वार्षिक (तीन वर्षों मे)	वार्षिक (एक वर्ष मे)	वार्षिक (एक वर्ष मे)
4	डिप्लोमा व पंजीकरण	सभी उत्तीर्ण अभ्यर्थी	सभी उत्तीर्ण अभ्यर्थी	सभी उत्तीर्ण अभ्यर्थी	सभी उत्तीर्ण अभ्यर्थी

—0—

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड द्वारा सम्बद्ध/मान्यता प्राप्त विद्यालय/संस्थान (वर्ष 2022 तक)

क्र.सं.	विद्यालय/संस्थान का नाम व पता	उपलब्ध पाठ्यक्रम
1	**श्री उत्तराखण्ड आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट) प्रशिक्षण विद्यालय,** विद्यापीठ, गुप्तकाशी, रूद्रप्रयाग।	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन
2	**हिमालयीय आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज,** ग्राम फतेहपुर टाण्डा, डोईवाला, देहरादून।	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन, 3. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग)
3	**दून आयुर्वेदिक पैरामेडिकल कॉलेज,** 74/27–1, मधुबन होटल के सामने, राजपुर रोड़, देहरादून।	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन, 3. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक
4	**अनमोल भारतीय उपचार एवं योगा संस्थान,** निकट उज्जवल भवन, जी0एम0एस0 रोड़, बल्लूपुर चौक, देहरादून।	1. आयुर्वेदिक/यूनानी भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन, 3. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग) 4. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक
5	**उत्तराखण्ड आयुर्वेदिक कालेज,** पंचायत घर, रामपुर रोड़, हल्द्वानी, नैनीताल।	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन, 3. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक
6	**अनन्त मेडिकल कालेज,** गोरधनपुर, खानपुर, हरिद्वार।	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन, 3. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग), 4. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक
7	**श्रीमति मंजीरा देवी आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज,** हिटाणु, धनारी, उत्तरकाशी।	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन, 3. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग)
8	**कुमाऊ आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज,** हल्द्वानी, नैनीताल।	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन, 3. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग)
9	**कल्पना आयुर्वेदिक–यूनानी पैरामेडिकल कालेज,** दून स्कूल रोड़, निकट रामपुर चुंगी, रूड़की, हरिद्वार।	1. यूनानी भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन
10	**भारती स्कूल ऑफ नर्सिंग,** 151/2, ग्राम बेडपुर, रूड़की, हरिद्वार।	1. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग)
11	**श्रीआयुष हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट,** निकट किसान भवन, रिंग रोड़, देहरादून।	1. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन 2. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक
12	**जे0एस0एस0 कालेज एण्ड हॉस्पिटल**, हबीबपुर, रायसी, जिला हरिद्वार।	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन, 3. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग)
13	**रूड़की आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज**, चुड़ियाला रोड़, भगवानपुर, रूड़की, जिला हरिद्वार।	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट)
14	**महर्षि दयानन्द मेडिकल साइन्स एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट,** जस्वावाला रोड़, धनौरी, रूड़की, हरिद्वार।	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन, 3. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग), 4. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक
15	**दून इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्स,** ग्राम– शंकरपुर, सहसपुर, देहरादून।	1. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन

16	**पंचतत्व आयुर्वेद रिसर्च इन्स्टीट्यूट एंव अस्पताल,** चांचक रोड़, निकट काली मन्दिर, बंजारावाला, देहरादून।	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन, 3. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग), 4. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक
17	**नवजीवनम आयुर्वेद इन्स्टीट्यूट**, वीरभद्र मन्दिर रोड़, वीरपुर खुर्द बैराज, ऋषिकेश, जिला देहरादून।	1. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन
18	**ऋषिकेश स्कूल ऑफ आयुर्वेद एवं पंचकर्म,** निर्मल बाग, वीरपुर खुर्द, पशुलोक विस्थापित, ऋषिकेश, जिला देहरादून	1. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियनृ
19	**सांई इन्स्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदा,** 26ए, राजपुर रोड़, देहरादून	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन, 3. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग)
20	**उत्तराखण्ड पैरामेडिकल आयुर्वेदिक कालेज,** छरबा, सहसपुर, विकासनगर, देहरादून।	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन
21	**एस0जे0एस0 ग्रुप ऑफ एजुकेशन आयुर्वेदिक कालेज,** खेड़ा लक्ष्मीपुर, जसपुर, उधमसिंहनगर।	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग), 3. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक
22	**सीताराम आयुर्वेदिक पैरामेडिकल कालेज,** प्लाट नं0 128, सुनहरा, रूड़की, हरिद्वार।	1. आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन, 3. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग), 4. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक
23	**हाजी मंगताहसन यूनानी/आयुर्वेदिक पैरामेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल,** निकट कोतवाली, लक्सर, जिला हरिद्वार।	1. आयुर्वेदिक/यूनानी भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन, 3. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग)
24	**उत्तराखण्ड इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंस**, ग्राम– बढेडी राजपूतान, रूड़की, हरिद्वार।	1. आयुर्वेदिक/यूनानी भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट), 2. पंचकर्म सहायक/टैक्नीशियन, 3. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग)

–0–

भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा संचालित डिप्लोमा कोर्सों का पाठ्यक्रम

1. आयुर्वेदिक भैषज्य–कल्पक (फार्मेसिस्ट)

पाठ्यक्रम अवधि : 02 वर्ष।

शैक्षिक योग्यता : उत्तराखण्ड शिक्षा एवं परीक्षा परिषद अथवा उसके समकक्ष किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से विज्ञान वर्ग में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण जिसमें भौतिक, रसायन व जीव विज्ञान विषय अनिवार्य रूप से हो।

आयु सीमा : न्यूनतम 17 वर्ष तथा अधिकतम 25 वर्ष, आरक्षित वर्ग को 05 वर्ष की छूट।

परीक्षा प्रारूप : वार्षिक (प्रथम व अन्तिम वर्ष)।

वर्ष	विषय	अधिकतम अंक			न्यूनतम अंक		
		लिखित परीक्षा	प्रयोगात्मक परीक्षा	योग	लिखित परीक्षा	प्रयोगात्मक परीक्षा	योग
प्रथम	आयुर्वेद परिचय एवं स्वस्थवृत्त	100	100	200	50	50	100
	शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान	100	100	200	50	50	100
	द्रव्यगुण एवं द्रव्य परिचय	100	100	200	50	50	100
कुल योग (प्रथम वर्ष)		**300**	**300**	**600**	**150**	**150**	**300**
अंतिम	रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना	100	100	200	50	50	100
	रूग्ण परिचय एवं व्यवहार आयुर्वेद	100	100	200	50	50	100
	रोग परिचय एवं चिकित्सा	100	100	200	50	50	100
कुल योग (अंतिम वर्ष)		**300**	**300**	**600**	**150**	**150**	**300**
महायोग (प्रथम व अंतिम वर्ष)		**600**	**600**	**1200**	**300**	**300**	**600**

2. यूनानी भैषज्य–कल्पक (फार्मेसिस्ट)

पाठ्यक्रम अवधि : 02 वर्ष।

शैक्षिक योग्यता : उत्तराखण्ड शिक्षा एवं परीक्षा परिषद अथवा उसके समकक्ष किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से विज्ञान वर्ग में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण जिसमें भौतिक, रसायन व जीव विज्ञान विषय अनिवार्य रूप से हो तथा कक्षा 8 तक उर्दू विषय अनिवार्य रूप से रहा हो।

आयु सीमा : न्यूनतम 17 वर्ष तथा अधिकतम 25 वर्ष, आरक्षित वर्ग को 05 वर्ष की छूट।

परीक्षा प्रारूप : वार्षिक (प्रथम व अन्तिम वर्ष)।

–0–

वर्ष	विषय	अधिकतम अंक			न्यूनतम अंक		
		लिखित परीक्षा	प्रयोगात्मक परीक्षा	योग	लिखित परीक्षा	प्रयोगात्मक परीक्षा	योग
प्रथम	तारीफे तिब्ब व हिफजाने सेहत	100	100	200	50	50	100
	तशरीह मुनाफुल आजा (एनाटमी एण्ड फिजियालाजी)	100	100	200	50	50	100
	खवासे अदविया (फार्माकोलोजी) व शिनाख्ते अदविया	100	100	200	50	50	100
कुल योग (प्रथम वर्ष)		**300**	**300**	**600**	**150**	**150**	**300**
अंतिम	इल्मुल सैदलिया व इल्मुल कीमियां (फार्मेसी एण्ड डिस्पेंसिंग)	100	100	200	50	50	100
	तीमारदारी, तिब्बे कानून व इल्मोसमूम	100	100	200	50	50	100
	तशखीस व इलाज	100	100	200	50	50	100
कुल योग (अंतिम वर्ष)		**300**	**300**	**600**	**150**	**150**	**300**
महायोग (प्रथम व अंतिम वर्ष)		**600**	**600**	**1200**	**300**	**300**	**600**

3. आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग)

पाठ्यक्रम अवधि : 03 वर्ष + 06 माह षठ्मासीय प्रसूति प्रशिक्षण।
आयु सीमा : न्यूनतम 17 वर्ष तथा अधिकतम 25 वर्ष, आरक्षित वर्ग को 05 वर्ष की छूट।
शैक्षिक योग्यता : उत्तराखण्ड शिक्षा एवं परीक्षा परिषद अथवा उसके समकक्ष किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से भौतिक, रसायन तथा जीव विज्ञान विषयों तथा न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण।
परीक्षा प्रारूप : वार्षिक (प्रथम व अन्तिम वर्ष) + 06 माह षठ्मासीय प्रसूति प्रशिक्षण परीक्षा।

वर्ष	विषय	अधिकतम अंक			न्यूनतम अंक		
		लिखित परीक्षा	प्रयोगात्मक परीक्षा	**योग**	लिखित परीक्षा	प्रयोगात्मक परीक्षा	**योग**
प्रथम	सामान्य विज्ञान	100	100	200	50	50	100
	शरीर विज्ञान दोष धातु व मल विज्ञान	100	100	200	50	50	100
	स्वस्थ वृत्त	100	100	200	50	50	100
	जीवाणु परिचय	100	100	200	50	50	100
	सामान्य परिचर्या	100	100	200	50	50	100
कुल योग (प्रथम वर्ष)		**500**	**500**	**1000**	**250**	**250**	**500**
अंतिम (द्वितीय+तृतीय)	द्रव्य विज्ञान एवं भैषज्य कल्पना	100	100	200	50	50	100
	सामान्य परिचर्या	100	100	200	50	50	100
	विशिष्ट परिचर्या	100	100	200	50	50	100
	व्याधि विज्ञान एवं उपचार	100	100	200	50	50	100
	मानस रोग परिचर्या एवं व्यवसायिक वृत्त	100	100	200	50	50	100
कुल योग (अंतिम वर्ष)		**500**	**500**	**1000**	**250**	**250**	**500**
महायोग (प्रथम व अंतिम वर्ष)		**1000**	**1000**	**2000**	**500**	**500**	**1000**
षठ्मासीय प्रसूति प्रशिक्षण	षठ्मासीय प्रसूति प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	100	100	**200**	50	50	**100**

4. पंचकर्म सहायक / टैक्नीशियन

पाठ्यक्रम अवधि : 01 वर्ष।

आयु सीमा : न्यूनतम 17 वर्ष तथा अधिकतम कोई सीमा नहीं।

शैक्षिक योग्यता : उत्तराखण्ड शिक्षा एवं परीक्षा परिषद से अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त बोर्ड से भौतिक, रसायन तथा जीव विज्ञान विषयों तथा न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण।

परीक्षा प्रारूप : वार्षिक (एक वर्षीय)।

वर्ष	विषय	लिखित परीक्षा (मुख्य परीक्षा)		प्रयोगात्मक परीक्षा	
		अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
प्रथम / अन्तिम	आयुर्वेद अधिष्ठान सिद्धान्त	100	50	100	50
	शरीर विज्ञान	100	50		
	पंचकर्म परिचय	100	50		
महायोग		**300**	**150**	**100**	**50**

परीक्षा सम्बन्धी नियमः

1. लिखित एवं प्रयोगिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक पृथक–पृथक होने चाहिए।
2. किसी भी विषय में अनुत्तीर्ण होने पर पूरक परीक्षा (सम्बन्धित विषय) में सम्मिलित होना होगा।
3. पूरक परीक्षा हेतु परीक्षा शुल्क प्रति विषय लिया जायेगा।
4. अनुत्तीर्ण अभ्यर्थी को केवल 02 अवसर प्रदान किये जायेंगें।
5. कृपांक सम्बन्धी निर्णय परिषद द्वारा लिया जायेगा।

–0–

5. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक

पाठ्यक्रम अवधि : 01 वर्ष।

शैक्षिक योग्यता : उत्तराखण्ड शिक्षा एवं परीक्षा परिषद अथवा उसके समकक्ष किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण।

आयु सीमा : यूनतम 17 वर्ष तथा अधिकतम कोई सीमा नहीं।

परीक्षा प्रारूप : 01 वर्षीय (06+06 माह सेमेस्टर)।

वर्ष	विषय	अधिकतम अंक			न्यूनतम अंक		
		लिखित परीक्षा	प्रयोगात्मक परीक्षा	योग	लिखित परीक्षा	प्रयोगात्मक परीक्षा	योग
प्रथम	योग के आधारभूत तत्व एवं हठयोग	100	100	400	50	100	400
	शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान	100			50		
	योग चिकित्सा एवं वैकल्पिक चिकित्सा	100			50		
कुल योग (प्रथम सेमेस्टर)		**300**	**100**	**400**	**150**	**50**	**400**
अंतिम	प्राकृतिक चिकित्सा एवं मूल सिद्धान्त	100	100	400	50	50	400
	आहार पोषण एवं यौगिक जीवन शैली	100			50		
	अभ्यंग एवं आयुर्वेद	100			50		
कुल योग (द्वितीय सेमेस्टर)		**300**	**100**	**400**	**150**	**50**	**300**
महायोग (प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर)		**600**	**200**	**800**	**300**	**100**	**400**

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड द्वारा संचालित

विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु निर्धारित शिक्षण शुल्क

क्र.सं.	पाठ्क्रम	अवधि	शिक्षण शुल्क
1	आयुर्वेदिक भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट)	02 वर्ष	₹ 45,000 प्रति वर्ष
2	यूनानी भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट)	02 वर्ष	₹ 45,000 प्रति वर्ष
3	आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग) + षठमासीय प्रसूति प्रशिक्षण	03 वर्ष 06 माह	₹ 45,000 प्रति वर्ष
4	पंचकर्म सहायक (पंचकर्म टैक्नीशियन)	01 वर्ष	₹ 45,000 प्रति वर्ष
5	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक	01 वर्ष	₹ 45,000 प्रति वर्ष

—0—

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड में
आयुर्वेदिक/यूनानी चिकित्सक पंजीकरण व अन्य हेतु निर्धारित शुल्क

क्र.सं.	विवरण	शुल्क
1	आयुर्वेदिक (बी.ए.एम.एस.)/यूनानी (बी.यू.एम.एस.) चिकित्सक अस्थायी पंजीकरण – विशिखानुप्रवेश (Internship) हेतु	₹ 2650/–
2	आयुर्वेदिक (बी.ए.एम.एस.)/यूनानी (बी.यू.एम.एस.) चिकित्सक स्थायी पंजीकरण	₹ 4500 + ₹ 150 (फार्म) = ₹ 4650/–
3	आयुर्वेदिक (बी.ए.एम.एस.)/यूनानी (बी.यू.एम.एस.) चिकित्सक पंजीकरण नवीनीकरण (पंजीकरण तिथि से प्रत्येक 05 वर्ष में)	₹ 2000/–
4	आयुर्वेदिक (बी.ए.एम.एस.)/यूनानी (बी.यू.एम.एस.) चिकित्सक पंजीकरण नवीनीकरण विलम्ब शुल्क (03 माह तक, तत्पश्चात पंजीकरण निरस्त)	₹ 1000/–
5	आयुर्वेदिक (बी.ए.एम.एस.)/यूनानी (बी.यू.एम.एस.) चिकित्सक का पता परिवर्तन, अतिरिक्त योग्यता आदि संशोधन व द्वितीय प्रति	₹ 500/–
6	पंजीकरण निरस्तीकरण अनापत्ति (NOC)	₹ 1000/–

–0–

आयुर्वेदिक/यूनानी भैषज्य कल्पक, आयुर्वेदिक परिचारिका व पंचकर्म सहायक पंजीकरण व अन्य हेतु निर्धारित शुल्क

क्र.सं.	विवरण	आयुर्वेदिक परिचारिका (नर्सिंग)	आयुर्वेदिक/यूनानी भैषज्य कल्पक (फार्मेसिस्ट)	पंचकर्म सहायक (पंचकर्म टैक्नीशियन)	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक
1	अस्थायी पंजीकरण – विशिखानुप्रवेश (Internship) हेतु	₹ 500/–	₹ 500/–	₹ 500/–	₹ 500/–
2	पंजीकरण	₹ 2750/– (03 वर्षीय) ₹ 1250/– (06 माह)	₹ 2100 + ₹ 150 (फार्म) = ₹ 2250/–	₹ 2100 + ₹ 150 (फार्म) = ₹ 2250/–	₹ 2100 + ₹ 150 (फार्म) = ₹ 2250/–
3	पता परिवर्तन, द्वितीय प्रति आदि	₹ 200/–	₹ 200/–	₹ 200/–	₹ 200/–

–0–

भा0चि0प0 उत्तराखण्ड द्वारा प्रदान की जा रही सेवायें तथा समय सीमा

क्र.सं.	कार्य / सेवायें	समय–सीमा
1	कालेजों की मान्यता	पैनल निरीक्षण के 30 दिनों के भीतर (अपरिहार्य स्थितियों को छोड़कर)
2	पंजीकरण (चिकित्सक)	90 दिन (उपाधि सत्यापन प्राप्त होने के समय पर निर्भर)
3	पंजीकरण (अनुचिकित्सक)	15 दिन (अपरिहार्य स्थितियों को छोड़कर)
4	पता परिवर्तन, द्वितीय प्रति आदि	15 दिन (अपरिहार्य स्थितियों को छोड़कर)
5	अनापत्ति (NOC) चिकित्सक	15 दिन (अपरिहार्य स्थितियों को छोड़कर)

–0–

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का क्रियान्वयन

आम जनमानस को सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अन्तर्गत सूचना उपलब्ध कराये जाने के लिए लोक सूचना अधिकारी व प्रथम अपीलीय अधिकारी नियुक्त किये गये हैं जो कि निम्नवत है–

1. **लोक सूचना अधिकारी** – रजिस्ट्रार, भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड।
2. **प्रथम अपीलीय अधिकारी** – अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड।

किसी भी अन्य सामान्य जानकारी निम्नानुसार प्राप्त की जा सकती है अथवा शिकायत व सुझाव प्रेषित किये जा सकते हैं–

1. वेबसाईट– www.bcputtarakhand.in
2. ई–मेल – bcpuk.ddn@gmail.com
3. दूरभाष – 0135–2677469

शिकायत निवारण अधिकारी का पदनाम व पता

रजिस्ट्रार, भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड
अजबपुर कलां, मोथरोवाला रोड़, निकट पंजाब नेशनल बैंक
देहरादून–248121।

–0–